

**Learning Outcome Based Syllabus of
4-Years Bachelor of Arts (B.A)-Sanskrit
चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक (बी.ए)-संस्कृत पाठ्यक्रम**



**संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग
कला संकाय**

इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज - 211002

**Department of Sanskrit, Pali, Prakrit & Oriental Languages
FACULTY OF ARTS**

University of Allahabad, Prayagraj-211002

(Session- 2025 onwards)

प्र. पा. १८३
प्रो. (बी.ए.) प्रयाग संस्कृत विभाग
संस्कृत विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
प्रयागराज-211002, उ.प्र.

प्रस्तावना

विभाग-परिचयः

संस्कृत,पालि,प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सबसे पुराने और सबसे बड़े विभागों में से एक है। संस्कृत विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्वावधान में म्योर सेंट्रल कॉलेज के एक विभाग के रूप में 1873 ई. में अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887) से 14 वर्ष पूर्व हुई थी। इस विभाग के संस्थापक और अध्यक्ष प्रो. आदित्य राम भट्टाचार्य (1873-1902) थे।

संस्कृत,पालि,प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग के अनुसंधान प्रमुख क्षेत्र को तीन मुख्य धाराओं में विभाजित किया गया है - वेद और वैदिक अध्ययन, साहित्य, साहित्यशास्त्र और भारतीय दर्शन। इसके अलावा हमारे शोध विद्वानों द्वारा कई अन्य क्षेत्रों का अन्वेषण किया गया है, जैसे वास्तुकला, मानवाधिकार, रक्षा-अध्ययन, पर्यावरण-अध्ययन, पर्यटन,वनस्पतिविज्ञान, तन्त्रशास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद, भूविज्ञान और भू-जल विज्ञान, अर्थव्यवस्था, राजनीति, कानून, इतिहास, भूगोल, संस्कृत

व्याकरण, आपदा नियन्त्रण, सतत् सन्धारण और पौराणिक साहित्य।



इस विभाग ने कई रत्नों को जन्म दिया है जिन्होंने शिक्षा के साथ-साथ प्रशासन के क्षेत्र में भी नाम और प्रसिद्धि अर्जित की है जैसे- महामहोपाध्याय प्रो. गंगा नाथ

झा, प्रथम डी. लिट. तथा राज्य परिषद् के सदस्य थे। उन्हें कैंपबेल पदक, रॉयल एशियाटिक सोसाइटी, लंदन,मानद सदस्य- रॉयल एशियाटिक सोसाइटी, लंदन ,नाइट बैचलर की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ही उनके द्वारा प्रदत्त ग्रन्थालय तथा उनके संस्कृत अनुसंधान क्षेत्र में दिए गए अवदान हेतु राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा शोध हेतु समर्पित “गंगानाथ झा परिसर” की स्थापना सन् 1943 में की गई।

विभागीय शिक्षकों तथा छात्रों के द्वारा यूजीसी आईसीपीआर इस्सर तथा अन्य शोध संस्थाओं से शोध हेतु परियोजनाएं प्राप्त की। विभाग न केवल संस्कृत अपितु अवेस्ता, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, आदि भाषाओं के अध्ययन हेतु भी अवसर प्रदान करता है। विभागीय शिक्षक वर्ग न केवल भारत अपितु विदेशों में भी सम्मेलनों में प्रतिभागिता कर भारतीय ज्ञान परंपरा तथा गौरव का प्रचार प्रसार करते हैं। विभागीय छात्रों का प्रशासनिक सेवाओं, शैक्षिक सेवाओं के साथ-साथ भारतीय सेना में धर्मगुरु के पद पर भी चयन होता है।

त्रि-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

कार्यक्रम का मुख्य जोर नेतृत्व और नीति विकास पर है, जो शिक्षकों को स्कूल प्रशासक, नीति विश्लेषक या पाठ्यक्रम विशेषज्ञ जैसी भूमिकाएँ निभाने के कौशल से अभिवृद्धि करता है। शोध पद्धतियों पर पाठ्यक्रम स्नातकों को शैक्षिक प्रथाओं को प्रभावित करने और शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम बनाते हैं। संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा की मूल आधारशिला है। यह केवल एक भाषा नहीं, अपितु भारत की सांस्कृतिक, दार्शनिक, वैज्ञानिक और आध्यात्मिक चेतना की संवाहिका है। स्नातक स्तर पर संस्कृत का अध्ययन करना न केवल शास्त्रीय ज्ञान के गहन अन्वेषण का माध्यम बनता है, अपितु यह विद्यार्थियों को भारत की प्राचीनतम बौद्धिक परंपराओं से जोड़ता है।

स्नातक में संस्कृत पढ़ने के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. **संस्कृत भाषा और साहित्य का मौलिक ज्ञान प्रदान करना** : विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा की बुनियादी रचना, व्याकरण, शब्द-प्रयोग, छंदशास्त्र, अलंकार, नाट्यशास्त्र, काव्यशास्त्र, आदि का ज्ञान प्रदान करना।
2. **भारतीय सांस्कृतिक विरासत की समझ विकसित करना** : वेद, उपनिषद, महाकाव्य (रामायण, महाभारत), पुराण, स्मृति, और अन्य ग्रंथों के माध्यम से भारत की प्राचीन सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक परंपराओं से अवगत कराना।
3. **विचार करने की क्षमता और आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास** : विद्यार्थी संस्कृत ग्रंथों का तर्कपूर्ण अध्ययन कर सकें तथा उनमें अंतर्निहित दार्शनिक, नैतिक एवं साहित्यिक पक्षों को समझ सकें।

4. **अनुवाद एवं संप्रेषण कौशल का विकास :** संस्कृत से हिंदी/अंग्रेज़ी और हिंदी/अंग्रेज़ी से संस्कृत में सरल अनुवाद करने की योग्यता प्रदान करना ।
5. **शोध के लिए आधार तैयार करना :** उच्च शिक्षा (M.A., शोध आदि) के लिए आवश्यक भाषा, पद्धति और संदर्भ ग्रंथों का बुनियादी ज्ञान देना ।
6. **संस्कृत के व्यावहारिक उपयोग को बढ़ावा देना :** दैनिक जीवन में संस्कृत के उपयोग जैसे – संवाद, निबंध लेखन, श्लोक रचना, संस्कृत पत्रकारिता, नाटक मंचन आदि के लिए प्रेरित करना ।
7. **नैतिक और मानवीय मूल्यों का विकास :** विद्यार्थियों में भारतीय जीवन-दर्शन, कर्म-सिद्धांत, धर्म, अहिंसा, सत्य, और कर्तव्य-बोध जैसे मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देना ।
8. **समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व बोध :** संस्कृत साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझते हुए, एक जागरूक, जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाना ।

निष्कर्षतः, स्नातक स्तर पर संस्कृत अध्ययन का उद्देश्य केवल एक भाषा का ज्ञान प्राप्त करना नहीं, अपितु भारत के बौद्धिक, सांस्कृतिक, नैतिक और वैज्ञानिक मूल्यों का समग्र रूप से आत्मसात करना है। यह अध्ययन विद्यार्थियों को एक सशक्त, जागरूक और मूल्यपरक जीवन की ओर अग्रसर करता है।

Programme Outcome (P.O.) for a Bachelor's degree:

P.O.1.	ज्ञान संवर्धन (Knowledge Enhancement): विद्यार्थी संस्कृत भाषा, साहित्य, व्याकरण, दर्शन तथा संस्कृति के मूलभूत ज्ञान को समझने में सक्षम होंगे।
P.O.2.	विश्लेषणात्मक क्षमता (Analytical Skills): संस्कृत ग्रंथों का गहन अध्ययन कर उनमें निहित दार्शनिक, ऐतिहासिक, एवं सांस्कृतिक तत्वों का विश्लेषण कर सकेंगे।
P.O.3.	भाषिक दक्षता (Linguistic Proficiency): संस्कृत भाषा में शुद्ध उच्चारण, लेखन तथा अनुवाद की दक्षता प्राप्त करेंगे और अन्य भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
P.O.4.	मूल्यबोध एवं नैतिकता (Value and Ethics): संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्यों को आत्मसात् कर आधुनिक जीवन में उनका प्रयोग कर सकेंगे।
P.O.5.	अनुसंधान कौशल (Research Skills): प्राचीन ग्रंथों, टीकाओं और भाष्यकारों के आधार पर स्वतंत्र अनुसंधान करने की क्षमता विकसित करेंगे।
P.O.6.	सांस्कृतिक बोध (Cultural Awareness): भारतीय संस्कृति, परंपरा, दर्शन और विज्ञान के संस्कृत स्रोतों के माध्यम से सांस्कृतिक चेतना विकसित करेंगे।

P.O.7.	अनुप्रयोग (Application): संस्कृत ज्ञान को आधुनिक क्षेत्रों जैसे योग, आयुर्वेद, ज्योतिष, सूचना प्रौद्योगिकी (Natural Language Processing) आदि में उपयोग कर सकेंगे।
P.O.8.	संवाद कौशल (Communication Skills): संस्कृत में विचारों को मौखिक एवं लेखन रूप में प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त कर सकेंगे।
P.O.9.	बहुविषयी दृष्टिकोण (Interdisciplinary Perspective): संस्कृत का अध्ययन इतिहास, दर्शन, भाषाशास्त्र, समाजशास्त्र आदि अन्य विषयों से जोड़कर समग्र दृष्टिकोण विकसित करेगा।
P.O.10.	सामाजिक योगदान (Social Contribution): संस्कृत भाषा एवं संस्कृति के संवर्धन, संरक्षण और प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

Programme Specific Outcomes (PSO):

संस्कृत भाषा एवं साहित्य भारतीय ज्ञान परंपरा की मूल आत्मा है। यह न केवल एक प्राचीन भाषा है, बल्कि भारतीय संस्कृति, दर्शन, विज्ञान और जीवनदर्शन का आधार स्तंभ भी है। बी.ए. संस्कृत के अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषा की गहन समझ, साहित्य की सौंदर्य दृष्टि, तथा भारतीय चिंतन परंपरा का बोध विकसित करना है।

PSO1. भाषा ज्ञान- संस्कृत भाषा के व्याकरण, रचना, रूपरूपांतर, धातुपाठ, और संधि-समास आदि के गहन अध्ययन द्वारा विद्यार्थी संस्कृत में दक्षता प्राप्त करेंगे

PSO2. साहित्यिक समझ- संस्कृत काव्य, नाटक, नीतिग्रंथ, इतिहास और महाकाव्यों का अध्ययन कर विद्यार्थी साहित्यिक सौंदर्य, रस, छंद और अलंकार की अवधारणाओं को समझ सकेंगे।

PSO3. दार्शनिक परंपरा की समझ- भारतीय दर्शन के छह दर्शनों (षड्दर्शन)- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा और वेदांत का बौद्धिक अध्ययन कर दार्शनिक दृष्टिकोण विकसित करेंगे।

PSO7. अनुवाद एवं संप्रेषण कौशल- संस्कृत से हिंदी, अंग्रेज़ी या अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने तथा संस्कृत में लेखन और वाचन की दक्षता प्राप्त करेंगे।

PSO5. अनुसंधान एवं आलोचना कौशल- संस्कृत ग्रंथों, टीकाओं, भाष्य और व्याख्याओं का तुलनात्मक अध्ययन कर आलोचनात्मक चिंतन एवं अनुसंधान की क्षमता विकसित करेंगे।

पाठ्यक्रम संरचना- प्रथम वर्ष

Semester	Offer in Year	Course Number	Course Name	Nature of Course
सेमेस्टर- प्रथम	बी.ए के प्रथम वर्ष में	प्रथम पेपर	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (पूर्वार्द्ध)	Major/Minor
सेमेस्टर- प्रथम		द्वितीय पेपर	काव्य, नीति तथा व्याकरण (पूर्वार्द्ध)	Major/Minor
सेमेस्टर- द्वितीय		प्रथम पेपर	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (उत्तरार्द्ध)	Major/Minor
सेमेस्टर- द्वितीय		द्वितीय पेपर	काव्य, नीति तथा व्याकरण (उत्तरार्द्ध)	Major/Minor

*पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सभी प्रकार के मूल्यांकन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नियमावली के अधीन ही की जाएगी।

Four Year Undergraduate Programme

(According to NEP – 2020)

First-Year B.A Programme

Major [8 Credits Each Semester] *

क्रेडिट तथा अंक निम्नलिखित नियमानुसार वितरित किया जाएगा:

Component	Credits	Credits in Subject	External Exam	Sessional Exam (CIA)	Total Marks
लिखित परीक्षा I	4	8 (L/T)	70	30	100
लिखित परीक्षा II	4				100
कुल योग	8	8 (L/T)	140	60	200

Minor [4 Credits Each Semester] *

क्रेडिट तथा अंक निम्नलिखित नियमानुसार वितरित किया जाएगा:

Component	Credits	Credits in Subject	External Exam	Sessional Exam (CIA)	Total Marks
लिखित परीक्षा I	4	8 (L/T)	70	30	100
लिखित परीक्षा II	4		70	30	100
कुल योग	8	8 (L/T)	140	60	200

Examination Patter
Subjects with Two Papers Only

प्रश्नपत्र एवं अंक योजना :

For Major Course-8 Credits per Semester: Written Examination

Sec./Paper	Question Typer	Qs Given	Attempt	Marks per Qs	Total Marks	Answer	Time Allocation (Approx.)
A (70 Marks) Paper 1	Short Answer	6	4	7	28	80-120 words	9-10 min. each
	Descriptive/Comprehensive Questions	5	3	14	42	300-350 words	30-35 min. each
Section A Total	-	-	-	-	70	1350-1400 words	1.5 Hours
B (70 Marks) Paper 1	Short Answer	6	4	7	28	80-120 words	9-10 min. each
	Descriptive/Comprehensive Questions	5	3	14	42	300-350 words	30-35 min. each
Section B Total	-	-	-	-	70	1350-1400 words	1.5 Hours
Grand Total	-	-	-	-	140	2700-2800 words	3 Hours

For Major Course-8 Credits per Semester: Written Examination

- **Examination Type:** MCQ-based, through OMR Sheets
- **Maximum Marks:** 70
- **Duration:** 1.5-02 Hours
- **Coverage:** Same syllabus as the Major Course, in the form of a single combined paper.
- **Structure:** 70 questions, drawn appropriately from the syllabi of both two papers.
- **Marking:**
 - Each question carries 1 Mark.
 - Every correct response= 1 Mark
 - No negative marking for incorrect or unattempted answers.

**The evaluation Shall be done as per the examination rules and regulation of the University of Allahabad, Prayagraj.*

संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग
कला संकाय
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज - 211002
Department of Sanskrit, Pali, Prakrit & Oriental Languages
FACULTY OF ARTS
University of Allahabad, Prayagraj-211002

B.A Semester-I

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

Semester	Offer in Year	Course Number	Course Name	Nature of Course
सेमेस्टर- प्रथम	बी.ए. के प्रथम वर्ष में	प्रथम पेपर	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (पूर्वाह्न)	Major/Minor
सेमेस्टर- प्रथम		द्वितीय पेपर	काव्य, नीति तथा व्याकरण (पूर्वाह्न)	Major/Minor

बी.ए. प्रथम वर्ष B.A. Part I		प्रथम सेमेस्टर Semester-I	
प्रथम प्रश्नपत्र		Major/Minor	
Course Name	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (पूर्वाह्न)		
Credit	Major: 4 Cr Minor: 2 Cr	Contact Hours	45 (L)+15 (T) Hours
Nature of the Corse	Theory		
Special Nature/ Category of the course	Totally Based on Indian Knowledge System		
Mode of Transaction	Lectures, Video clips, Study of documents and references and reflective interaction with the peer group, Library readings on selected them followed by group discussion.		
Assessment	As per the University of Allahabad Guideline for 4 years Bachelor Degree.		

Course Outcomes (COs)

CO1.नाट्यपरिचय एवं विषय-बोध- विद्यार्थी कालिदास के अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के कथानक, पात्रों, भाव एवं काव्यात्मक सौंदर्य का विवेचन कर सकेंगे।

CO2.भाषिक एवं व्याख्यात्मक दक्षता- संस्कृत पाठ का शुद्ध पठन, छाया, व्याख्या तथा हिन्दी अनुवाद करने की क्षमता विकसित करेंगे।

CO3. नाट्यशास्त्रीय ज्ञान- विद्यार्थी नान्दी, सूत्रधार, आमुख, विष्कम्भक, प्रवेशक, चूलिका, अंकावतार, अंकमुख आदि नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का अर्थ एवं प्रयोग समझ सकेंगे।

CO4. आलोचनात्मक दृष्टि- नाटक की संरचना, संवाद, रस, भाव एवं पात्रों का समालोचनात्मक अध्ययन कर अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता को सुदृढ़ करेंगे।

CO5. अलंकार एवं छन्द बोध- साहित्यदर्पण में वर्णित प्रमुख अलंकारों (जैसे अनुप्रास, श्लेष, उपमा, रूपक आदि) और छन्दों (अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा आदि) का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन कर काव्य-शास्त्रीय बोध प्राप्त करेंगे।

CO6. सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यबोध- नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति, कर्तव्य, प्रेम, त्याग तथा नैतिक मूल्यों की गहरी समझ विकसित करेंगे।

Mapping Table of Course outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO	3	3	1	2	1	3	1	1	2	1
CO2	2	2	3	1	1	2	2	3	3	1
CO3	1	3	2	1	1	2	3	2	3	1
CO4	1	3	1	2	3	2	2	1	2	3
CO5	3	2	3	1	1	2	3	1	1	1
CO6	1	2	1	3	2	3	2	1	3	3

प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-4 अङ्क)

इकाई 1 – हिन्दी-अनुवाद 10 x 2 = 20 अङ्क

इकाई 2 – (क)संस्कृत व्याख्या 10 x 1 = 10 अङ्क

(ख) संस्कृत छाया 4 x 1 = 04 अङ्क

इकाई 3 (क) समालोचनात्मक प्रश्न 6 x 1 = 06 अङ्क

(ख) नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी (नान्दी, सूत्रधार, आमुख, विष्कम्भक, प्रवेशक, चूलिका, अङ्कावतार, अङ्कमुख) 5 x 2 = 10 अङ्क

इकाई 4 - साहित्यदर्पण से निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवम् उदाहरण सहित परिचय

5 x 2 = 10 अङ्क

अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक
इकाई 5 – निम्नलिखित छन्दों का लक्षण एवम् उदाहरणसहित परिचय 5 x 2 = 10 अङ्क
अनुष्टुप, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, द्रुतविलम्बित, वंशस्थ ।

बी.ए. प्रथम वर्ष B.A. Part I		प्रथम सेमेस्टर Semester-I	
द्वितीय प्रश्नपत्र		Major/Minor	
Course Name	काव्य, नीति तथा व्याकरण (पूर्वाङ्क)		
Credit	Major: 4 Cr Minor: 2 Cr	Contact Hours	45 (L)+15 (T) Hours
Nature of the Corse	Theory		
Special Nature/ Category of the course	Totally Based on Indian Knowledge System		
Mode of Transaction	Lectures, Video clips, Study of documents and references and reflective interaction with the peer group, Library readings on selected them followed by group discussion.		
Assessment	As per the University of Allahabad Guideline for 4 years Bachelor Degree.		

CO1. काव्यबोध एवं भाव-समझ – विद्यार्थी *किरातार्जुनीयम्* के प्रथमसर्ग के पद्यों के माध्यम से संस्कृत महाकाव्य की रचना-शैली, भाव-सौंदर्य एवं नैतिक तत्वों को समझ सकेंगे।

CO2. अनुवाद एवं व्याख्या-दक्षता– संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करते हुए भाषिक निपुणता और अर्थ-सटीकता प्राप्त करेंगे।

CO3. समालोचनात्मक दृष्टि– महाकाव्य और नीतिशतक के पद्यों का विश्लेषण कर कवि के उद्देश्य, नीति-संदेश और साहित्यिक मूल्य की आलोचनात्मक समझ विकसित करेंगे।

CO4. नीति एवं मूल्यबोध – *नीतिशतकम्* के पद्यों द्वारा विद्यार्थी जीवन-मूल्य, नीति, सदाचार, और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।

CO5. व्याकरणिक ज्ञान– *लघुसिद्धान्तकौमुदी* के संज्ञा-प्रकरण का अध्ययन कर संस्कृत वर्णमाला, प्रत्याहार, इत्सञ्ज्ञा आदि व्याकरणिक सिद्धांतों की सटीक समझ प्राप्त करेंगे।

CO6. अनुप्रयोग योग्यता– व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के ज्ञान का प्रयोग कर संस्कृत लेखन, अनुवाद और वाचन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

Mapping Table of Course outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO1	3	3	2	2	1	3	2	1	2	1
CO2	2	2	3	1	1	2	3	3	3	1
CO3	1	3	2	2	3	2	2	1	3	3
CO4	1	2	1	3	1	3	2	1	1	3
CO5	3	3	3	1	2	2	3	1	1	1
CO6	2	3	3	1	1	2	3	3	1	3

प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

काव्य, नीति तथा व्याकरण (पूर्वाद्धि)

किरातार्जुनीयम् प्रथमसर्ग (1-25 पद्य)

इकाई 1- हिन्दी अनुवाद

7 x 2 = 14 अङ्क

इकाई 2- (क) संस्कृत-व्याख्या

5 x 1 = 05 अङ्क

(ख) समालोचनात्मक प्रश्न

6 x 1 = 06 अङ्क

नीतिशतकम् (1-15 पद्य)

इकाई 3- (क) हिन्दी अनुवाद

5 x 2 = 10 अङ्क

(ख) संस्कृत-व्याख्या

10 x 1 = 10 अङ्क

इकाई 4- लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा-प्रकरण 1-5 सूत्र-पर्यन्त)

3 x 5 = 15 अङ्क

(प्रत्याहारविधायक सूत्र, इत्सञ्ज्ञा, प्रत्याहारनिर्माण, प्रत्याहारसंख्या, संस्कृतवर्णमाला)

इकाई 5- हिन्दी से संस्कृत के अनुवाद

2 x 5 = 10 अङ्क

संस्कृत, पालि, प्राकृत एवं प्राच्यभाषा विभाग
कला संकाय
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज - 211002
Department of Sanskrit, Pali, Prakrit & Oriental Languages
FACULTY OF ARTS
University of Allahabad, Prayagraj-211002

B.A Semester-II

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

Semester	Offer in Year	Course Number	Course Name	Nature of Course
सेमेस्टर- द्वितीय	बी.ए. के	प्रथम पेपर	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (उत्तरार्द्ध)	Major/Minor
सेमेस्टर- द्वितीय	द्वितीय वर्ष में	द्वितीय पेपर	काव्य, नीति तथा व्याकरण (उत्तरार्द्ध)	Major/Minor

बी.ए. प्रथम वर्ष B.A. Part I		प्रथम सेमेस्टर Semester- II	
प्रथम प्रश्नपत्र		Major/Minor	
Course Name	नाटक एवं छन्दोऽलङ्कार (उत्तरार्द्ध)		
Credit	Major: 4 Cr Minor: 2 Cr	Contact Hours	45 (L)+15 (T) Hours
Nature of the Corse	Theory		
Special Nature/ Category of the course	Totally Based on Indian Knowledge System		
Mode of Transaction	Lectures, Video clips, Study of documents and references and reflective interaction with the peer group, Library readings on selected them followed by group discussion.		
Assessment	As per the University of Allahabad Guideline for 4 years Bachelor Degree.		

Course Outcomes (COs)

CO1.नाट्यपरिचय एवं विषय-बोध- विद्यार्थी कालिदास के *अभिज्ञानशाकुन्तलम्* नाटक के कथानक, पात्रों, भाव एवं काव्यात्मक सौंदर्य का विवेचन कर सकेंगे।

CO2.भाषिक एवं व्याख्यात्मक दक्षता- संस्कृत पाठ का शुद्ध पठन, छाया, व्याख्या तथा हिन्दी अनुवाद करने की क्षमता विकसित करेंगे।

CO3. नाट्यशास्त्रीय ज्ञान- विद्यार्थी नान्दी, सूत्रधार, आमुख, विष्कम्भक, प्रवेशक, चूलिका, अंकावतार, अंकमुख आदि नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का अर्थ एवं प्रयोग समझ सकेंगे।

CO4. आलोचनात्मक दृष्टि- नाटक की संरचना, संवाद, रस, भाव एवं पात्रों का समालोचनात्मक अध्ययन कर अपनी विश्लेषणात्मक क्षमता को सुदृढ़ करेंगे।

CO5. अलंकार एवं छन्द बोध- साहित्यदर्पण में वर्णित प्रमुख अलंकारों (जैसे अनुप्रास, श्लेष, उपमा, रूपक आदि) और छन्दों (अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा आदि) का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन कर काव्य-शास्त्रीय बोध प्राप्त करेंगे।

CO6. सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यबोध- नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति, कर्तव्य, प्रेम, त्याग तथा नैतिक मूल्यों की गहरी समझ विकसित करेंगे।

Mapping Table of Course outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO	3	3	1	2	1	3	1	1	2	1
CO2	2	2	3	1	1	2	2	3	3	1
CO3	1	3	2	1	1	2	3	2	3	1
CO4	1	3	1	2	3	2	2	1	2	3
CO5	3	2	3	1	1	2	3	1	1	1
CO6	1	2	1	3	2	3	2	1	3	3

द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्नपत्र

अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5-7 अङ्क)

इकाई 1- हिन्दी-अनुवाद

10 x 2 = 20 अङ्क

इकाई 2 – (क) संस्कृत व्याख्या

10 x 1 = 10 अङ्क

(ख) संस्कृत छाया

4 x 1 = 04 अङ्क

इकाई 3 (क) समालोचनात्मक प्रश्न

6 x 1 = 06 अङ्क

(ख) नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों पर टिप्पणी

5 x 2 = 10 अङ्क

(स्वगत, प्रकाश, अपवारित, त्रिपताक, जनान्तिक, आकाशभाषित, विदूषक, कञ्चुकी, नेपथ्य)

इकाई 4 - साहित्यदर्पण से निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवम् उदाहरण सहित परिचय

5 x 2 = 10 अङ्क

अपह्नुति, प्रतिवस्तूपमा, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास, तुल्ययोगिता, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, परिसंख्या ।

इकाई 5 – निम्नलिखित छन्दों का लक्षण एवम् उदाहरणसहित परिचय

5 x 2 = 10 अङ्क

वसन्ततिलका, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडित, आर्या ।

बी.ए. प्रथम वर्ष B.A. Part I		द्वितीय सेमेस्टर Semester-II	
द्वितीय प्रश्नपत्र		Major/Minor	
Course Name	काव्य, नीति तथा व्याकरण (पूर्वाङ्क)		
Credit	Major: 4 Cr Minor: 2 Cr	Contact Hours	45 (L)+15 (T) Hours
Nature of the Corse	Theory		
Special Nature/ Category of the course	Totally Based on Indian Knowledge System		
Mode of Transaction	Lectures, Video clips, Study of documents and references and reflective interaction with the peer group, Library readings on selected them followed by group discussion.		
Assessment	As per the University of Allahabad Guideline for 4 years Bachelor Degree.		

CO1. काव्यबोध एवं भाव-समझ – विद्यार्थी *किरातार्जुनीयम्* के प्रथमसर्ग के पद्यों के माध्यम से संस्कृत महाकाव्य की रचना-शैली, भाव-सौंदर्य एवं नैतिक तत्वों को समझ सकेंगे ।

CO2. अनुवाद एवं व्याख्या-दक्षता– संस्कृत से हिन्दी एवं हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद करते हुए भाषिक निपुणता और अर्थ-सटीकता प्राप्त करेंगे ।

CO3. समालोचनात्मक दृष्टि– महाकाव्य और नीतिशतक के पद्यों का विश्लेषण कर कवि के उद्देश्य, नीति-संदेश और साहित्यिक मूल्य की आलोचनात्मक समझ विकसित करेंगे ।

CO4. नीति एवं मूल्यबोध – *नीतिशतकम्* के पद्यों द्वारा विद्यार्थी जीवन-मूल्य, नीति, सदाचार, और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील बनेंगे ।

CO5. व्याकरणिक ज्ञान– *लघुसिद्धान्तकौमुदी* के संज्ञा-प्रकरण का अध्ययन कर संस्कृत वर्णमाला, प्रत्याहार, इत्सञ्ज्ञा आदि व्याकरणिक सिद्धांतों की सटीक समझ प्राप्त करेंगे ।

CO6. अनुप्रयोग योग्यता– व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के ज्ञान का प्रयोग कर संस्कृत लेखन, अनुवाद और वाचन में दक्षता प्राप्त करेंगे ।

Mapping Table of Course outcomes:

CO / PO	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PO9	PO10
CO1	3	3	2	2	1	3	2	1	2	1
CO2	2	2	3	1	1	2	3	3	3	1
CO3	1	3	2	2	3	2	2	1	3	3
CO4	1	2	1	3	1	3	2	1	1	3
CO5	3	3	3	1	2	2	3	1	1	1
CO6	2	3	3	1	1	2	3	3	1	3

द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम

द्वितीय प्रश्नपत्र

काव्य, नीति तथा व्याकरण (उत्तरार्द्ध)

किरातार्जुनीयम् प्रथमसर्ग (26-46 पद्य)

इकाई 1- हिन्दी अनुवाद

7 x 2 = 14 अङ्क

इकाई 2- (क) संस्कृत-व्याख्या

6 x 1 = 06 अङ्क

(ख) समालोचनात्मक प्रश्न

5 x 1 = 05 अङ्क

नीतिशतकम् (16-30 पद्य)

इकाई 3- (क) हिन्दी अनुवाद

5 x 2 = 10 अङ्क

(ख) संस्कृत-व्याख्या

10 x 1 = 10 अङ्क

लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा-प्रकरण) (6-14 सूत्र पर्यन्त)

इकाई 4- उच्चारणस्थान एवं प्रयत्नज्ञान (सूत्रों की व्याख्या पर विशेषबल)

5 x 3 = 15 अङ्क

इकाई 5- हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

2 x 5 = 10 अङ्क

प्र.पा. वि. वि.
श्री (वि.) प्रयाग नारायण मिश्र
काव्य तथा अष्टांग
संस्कृत विभाग
बिस्मिल्लाह रोड, दिल्ली-110002, इ.प्र.